## Hari Naam Nahi To Jeena Kya | By Anant Haridasi Didi Meenu Sharma

हरी नाम नहीं तो जीना क्या हरी नाम नहीं तो जीना क्या अमृत है हरी नाम जगत में छोड़ विषय रस पीना क्या हरी नाम नहीं तो जीना क्या हरी नाम नहीं तो जीना क्या

काल सदा अपने रथ डोले ना जाने कब सिर चढ़ बोले हरी का नाम जपो मेरे भाई इसमें बरस महीना क्या हरी नाम नहीं तो जीना क्या हरी नाम नहीं तो जीना क्या

तीरथ है हरी नाम तुम्हारा फिर क्यूँ फिरता मारा मारा अंत समय हरी नाम ना आवे कशी और मदीना क्या हरी नाम नहीं तो जीना क्या हरी नाम नहीं तो जीना क्या

भूषण से सब अंग सजावे रसना पे हरी नाम ना आवे देह पड़ी रह जाए यहाँ पर कुण्डल और नगीना क्या हरी नाम नहीं तो जीना क्या हरी नाम नहीं तो जीना क्या

राधे कृष्णा राधे कृष्णा राधे कृष्णा राधे कृष्णा हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे

https://bhaktivandana.com/lyrics/hari-naam-nahi-to-jeena-kya-by-anant-haridasi-didi-meenu-sharma/